मूल्य 1 रु.

वर्षः 13 - अंक : 47, मुंबई, गुरुवार, 23 मार्च, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

# महाराष्ट्र में फर्जी छापेमारी

## जीएसटी के 3 इंस्पेक्टर बर्खास्त

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) के 3 इंस्पेक्टर को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। उन पर फर्जी छापेमारी के जरिए एक व्यापारी से टैक्स के नाम पर 11 लाख रुपए लेने का आरोप था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

### दो साल पहले बिजनेसमैन के यहां रेड कर 11 लाख रुपए टैक्स के नाम पर लिए थे

### जीएसटी डिपार्टमेंट ने अखबार में विज्ञापन जारी कर इस बर्खास्तगी की घोषणा की

# एक्शन में शरद पवार

## आज दिल्ली में बुलाई अपोजिशन मीटिंग, ममता भी आएंगी

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**नई दिल्ली।** एनसीपी प्रमुख शरद पवार को जानने वाले भी उनकी राजनीति को नहीं समझते हैं। इतना जरूर समझते हैं कि वे जो कहते हैं, कभी-कभार करते हैं। वे जो नहीं कहते, वह डेफिनेटली करते हैं। आज (गुरुवार, 23 मार्च) शरद पवार ने अपने दिल्ली आवास में विपक्षी पार्टियों की एक अहम बैठक बुलाई है।

**(शेष पृष्ठ 3 पर)**

# पटाखा फैक्ट्री में आग, 8 की मौत, 17 घायल

## धमाके से पूरी बिल्डिंग ढही, एक हफ्ते में ऐसी दूसरी घटना

**तमिलनाडु।** तमिलनाडु के कांचीपुरम में बुधवार को पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हुए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल की कई गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश में लगी हैं। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। कांचीपुरम कलेक्टर एम. आरती ने बताया कि फैक्ट्री में 25 लोग काम कर रहे थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

**दैनिक मुंबई हलचल**

## जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं

9820961360

# 50 से ज्यादा छात्रों को काटा मधुमक्खि

## पालघर में बुजुर्ग की ले ली जान

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**पालघर।** महाराष्ट्र के पालघर जिले के मनोर में सैर के लिए निकले एक बुजुर्ग पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। इससे बुजुर्ग की हालत बिगड़ गई। लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के बुजुर्ग उनकी मौत हो गई।

**(शेष पृष्ठ 3 पर)**

# महाराष्ट्र में फिर होगी बेमौसम बारिश

## मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए जारी किया अलर्ट

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से बेमौसम मौसम और ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। इस बीच, मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों के दौरान राज्य में फिर से गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। इस वजह से पहले से परेशान अन्नदाताओं की चिंता और बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीलंका से विदर्भ तक फैले कम दबाव के अक्ष के कारण शनिवार (25 मार्च) तक राज्य में कई स्थानों पर बारिश होने की उम्मीद है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### संभल नहीं रहा संकट

**एक बात साफ है कि जिस तरीके से पश्चिम के नीति निर्माता बैंकिंग संकट को संभालने की कोशिश कर रहे हैं, वह काम नहीं कर रहा है। बल्कि उस तरीके ने विश्वास के संकट को और बढ़ा दिया है।**

**अमेरिका** में सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के फेल होने से शुरू हुआ बैंकिंग संकट का दायरा फैलता ही जा रहा है। अब तक एक बात साफ हो चुकी है कि जिस तरीके से पश्चिम के नीति निमार्ता इस संकट को संभालने की कोशिश कर रहे हैं, वह काम नहीं कर रहा है। बल्कि उस तरीके ने विश्वास के संकट को और बढ़ा दिया है। अमेरिका में सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने संकटग्रस्त बैंकों को वित्त मुहैया कराई, लेकिन यह कहते हुए कि यह बेलआउट नहीं है। इसी तरह स्विट्जरलैंड में क्रेडिट सुइस बैंक का यूएसबी बैंक ने अधिग्रहण यूएसबी बैंक ने किया, जिसके लिए धन वहां के सेंट्रल बैंक ने उपलब्ध कराया। लेकिन फिर यही कहा गया कि यह बेलआउट नहीं है। लेकिन शेयरहोल्डरों से लेकर जमाकर्ताओं तक को इस बहानेबाजी से बहलाया नहीं जा सका। नतीजा यह हुआ कि सोमवार को बाजारों में बैंकिंग शेयरों में भारी गिरावट आई। उससे बैंकों का अपना मूल्य और घट गया है। अमेरिका में पहले ही बैंक अपने मूल्य का एक चौथाई हिस्सा गंवा चुके हैं। इस तरह यह संकट अधिक गंभीर हो गया है। यह गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड में रविवार को आम तौर पर कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं होती है, लेकिन इस बार ऐसा हुआ। इसलिए कि यह कोई सामान्य वक्त नहीं है। रविवार को बर्न में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्विस नेशनल बैक ने एलान किया कि क्रेडिट सुइस को यूबीएस खरीदेगा। डील 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.23 अरब डॉलर) में होगी। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति एलना बेरसेट ने कहा कि यह सौदा वित्तीय केंद्र के तौर पर स्विट्जरलैंड में भरोसा बरकरार रखने का 'सबसे अच्छा उपाय' है। लेकिन सोमवार को यह जाहिर हुआ कि शुरूआती तौर पर उनकी यह उम्मीद पूरी नहीं हुई है। क्रेडिट सुइस 5.4 अरब डॉल के घाटे में था। यूबीएस की ओर से कहा गया कि यूबीएस क्रेडिट सुइस के जोखिम को संभाल लेगा। जबकि इस सौदे के एलान से पहले क्रेडिट सुइस और यूबीएस प्रतिद्वंद्वी बैंक थे। उनका मेल निवेशकों को पसंद नहीं आया, यह शेयर बाजार की प्रतिक्रिया से साफ है। देखने की बात होगी कि अब नीति निर्माता क्या रास्ता अपनाते हैं।

# राहुल की हिम्मत और क्षत्रपों की फार्मूला राजनीति

**क्या** फार्मूलों से राजनीति चलती है? फिलहाल तो ममता, अखिलेश, केसीआर यही समझ रहे हैं। और भरोसा है कि केन्द्र में मोदी और राज्यों में वह राजनीतिचलाते रहेंगे। मगर केजरीवाल की समझ में शायद थोड़ा आ गया होगा कि केन्द्रमें भाजपा के रहते सरकार ताबेदार की हैसियत से ही चलाई जा सकती है। बराबरी के दोस्ती के स्तर पर नहीं। उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और वित्त मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन गिरफ्तार होकर जेल में हैं और उनकी सरकार को विधानसभा में बजट पेश करने की इजाजत तक नहीं दी जा रही है। दिल्ली जब से राज्य बना है। केन्द्र में अलग और राज्य में अलग पार्टी कीसरकार रही है। मगर कभी इस तरह राज्य सरकार के चलाने में रोज अड़गे नहींडाले गए। केजरीवाल ने कांग्रेस और भाजपा दोनों की सरकारें केन्द्र मेंदेख ली हैं। और वे दावा भी सबसे ज्यादा करते हैं कि मैं पढ़ा लिखा मुख्यमंत्री हूं। मगर शिक्षा जो सबसे विशेष योग्यता लाती है अंतर करने कीविश्लेषण करने की कार्य कारण संबंध बताने की वह शायद उनमें नहीं है या वेउसका इस्तेमाल नहीं करते हैं। नहीं तो वे समझ जाते और बोलते कि मोदीसरकार एक राज्य को स्वतंत्र रूप से काम क्यों नहीं करने दे रही।

केजरीवाल प्रगतिशील और उदार विचारधारा और दक्षिणपंथी एवं प्रतिक्रियावादीविचारधारा का फर्क समझते है। देश की राजधानी दिल्ली में जहां सारे देशों काराजनयिक और मीडिया बैठा है वहां लोकतांत्रिक तरीकों का हनन क्या मैसेजदेता है? अगर पढ़ाई लिखाई का कोई मतलब होता है तो वह केजरीवाल को बतानाचाहिए। और साथ ही यह भी सोचना चाहिए की बड़ी और स्थाई राजनीतिक समस्याक्या है? और केजरीवाल के उदाहरण से ममता, अखिलेश और केसीआर एवं अन्य जो भी तीसरेमोर्चे के समर्थक हैं उन्हें समझना चाहिए कि मोदी जी चक्रवर्ती सम्राटहैं या होना चाहते हैं। उनकी सल्तनत में किसी स्वतंत्र राज्य का कोईअस्तित्व नहीं रह सकता। केन्द्र में मोदी और राज्यों में यह के फार्मूले पर सोच रहे इन क्षेत्रिय नेताओं को यह भी देखना चाहिए कि भाजपा राज्योंमें भी यह सुनिश्चित किया जाता है कि मुख्यमंत्रियों का कद एक निश्चितसाइज में मोदी जी से कम रहे। इसका एक मजेदार उदाहरण मोदी सेअंडरस्टेंडिंग करने वाले नेताओं को देखना चाहिए। राज्य के विज्ञापनों मेंजो केजरीवाल से कम नहीं होते हैं और जिन पर आपत्ति है उनमें प्रधानमंत्रीके फोटो से मुख्यमंत्री के फोटो काफी छोटे होते हैं। इसे समझने के लिएलिए 9 साल पहले के विज्ञापन देखे जा सकते हैं जिनमें राज्यों के विज्ञापनमें या तो प्रधानमंत्री के फोटो होते ही नहीं थे। या मुख्यमंत्री केबराबर के साइज के। पहले राज्यों के जनसम्पर्क विभाग की चिन्ता होती थी किसीएम साहब नाराज न हो जाएं। आज दबाव यह रहता है कि पीएम साहब नाराज न होजाएं। ममता अखिलेश केसीआर, मोदी के साथ जाने की तैयारी करें मगर यह याद रहे किक्या वे उसकी कीमत चुका पाएंगे? अपना स्वतंत्र अस्तित्व छोड़कर मातहती करपाएंगे? विपक्ष की राजनीति इस समय बहुत दिलचस्प मोड़ पर है। एक तरफ राहुल अपनीधुन में मोदी को चैलेंज करते हुए चले जा रहे हैं। वह एक अलग ही दृश्य है।ऐसी निडरता पिछले कई सालों में राजनीति में देखी नहीं गई। इसके लिए फैजकी वही पंक्तियां याद आती हैं कि-

*जिस धज से कोई मकतल में गया वह*
*शान सलामत रहती है*
*यह जान तो आनी जानी है इस जां की*
*तो कोई बात नहीं!*

सोमवार को जिसने राहुल को अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में बोलते देखा होवह इसे अच्छी तरह समझ सकता है। राहुल की बेहतरीन स्पीचों में से एक। हिम्मत भरी। खुला चैलेंज देती हुई। जो करना है करो। मैं नहीं डरता। क्यों? क्योंकि मैं सत्य के साथ हूं। एक बार नहीं जितनी बार पुलिस भेजनाहै भेजो। जितने मुकदमे चलाना है चलाओ। मुझे डरा नहीं पाओगे। यही आपकी (मोदी जी) समस्या है। मगर मैं कुछ नहीं कर सकता। क्योंकि मैं ऐसा ही हूं।राहुल ने अपना दिल खोलकर रख दिया। राहुल का घोषणापत्र! कहते हैं भाषण हरजगह अच्छा नहीं होता है। यह राहुल का संसदीय क्षेत्र था। इसलिए आत्मा कीआवाज। राहुल लोकतांत्रिक हैं। पार्टी में लोकतंत्र की सबसे बड़ी स्थापना कर दी।हर आदमी कहता था नहीं, नहीं ऐसा नहीं होगा। परिवार का ही कोई बनेगा। मगरराहुल ने सबको गलत साबित करते हुए परिवार के बाहर के खड़गे को अध्यक्षबना दिया। ऐसे राहुल कुछ क्षेत्रीय नेताओं को पसंद नहीं आ रहे। वे मोदीजी के साथ अंडरस्टेंडिंग कर रहे हैं। राज्यों में वे और केन्द्र मेंमोदी। देखना दिलचस्प होगा कि यह फार्मूला कितना चलता है। फिलहाल तो केजरीवाल कोबहुत भारी पड़ रहा है। उन्हें कुछ भी करने नहीं दिया जा रहा है। शायद इसीलिएजहां दूसरे संसद में विपक्ष के सामूहिक प्रदर्शन में साथ नहीं आ रहे आमआदमी पार्टी रोज आ रही है। और उसके सांसद संजय सिंह पूरे जोश में नारेलगा रहे हैं। बाकी तृणमूल अपना अलग प्रदर्शन करके साफ मैसेज दे रही है किविपक्ष से डरने की जरूरत नहीं। विपक्ष पूरी तरह विभाजित है। तृणमूल की हालत इस समय उस डरे हुए व्यक्ति की तरह हो रही है जो डरानेवाले की गोद में ही जाकर बैठना चाहता है मगर संकोच यह है कि बाकी लोग क्या कहेंगे। बंगाल में तृणमूल आज वह नहीं है जो दो साल पहले मोदी सेलड़ते हुए जीत कर आई थी। अभी उपचुनाव में कांग्रेस ने उसे धो कर रख दिया। भ्रष्टाचार और झूठ ममता के खिलाफ बड़े आरोप हैं। उनके भतीजे अभिषेकबनर्जी जो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं को ईडी ने समन भेजा है। बंगालमें सब जानते हैं कि अब अभिषेक ही तृणमूल हैं। खादी की सूती साड़ी औरहवाई चप्पल की छवि ईडी के सामने काम नहीं करेगी। उसकी असलियत जनता की समझमें भी आ रही है। अभिषेक के खिलाफ बहुत मामले हैं। और बंगाल में कहा जारहा है कि इनको सामने लाने के पीछे ममता के वही नजदीकी लोग हैं जो अभिषेकके सर्वोसर्वा बनने से खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। ईडी का ही डर केसीआर और अखिलेश को भी है। केसीआर की बेटी को भी तलब कियागया है। अखिलेश शुरू से ही स्मार्ट खेल रहे हैं इसलिए आराम से बचे हुएहैं। मायवती की तरह वे भी अब सारे इंस्ट्रक्शन मानने को तैयार हो गए हैं। ऐसे में वायनाड में राहुल का यह कहना बहुत मायने रखता है कि जितनी पुलिसभेजो, मुकदमे लगाओ मैं डरने वाला नहीं हूं। आज की तारीख में इतनी हिम्मतसे ऐसी बात कौन कह सकता है! ऐसे में बीजेपी के रोज संसद में राहुल माफीमांगों नारे लगाने का कोई मतलब नहीं है। माफी मांगने का तो सवाल ही नहीं है राहुल उससे आगे बढ़कर चुनौति दे रहे हैं कि- जुल्म में तेरे जोर है कितना देख लिया और देखेंगे!

परिणाम जो हो भारतीय राजनीति एक बहुत ही हिम्मत भरा एपिसोड देख रही है। राहुल को चारों तरफ से घेरा जा रहा है। सत्ता पक्ष तो है ही। मीडिया, विपक्ष का एक हिस्सा और डरे हुए कांग्रेसी भी राहुल के खिलाफ हैं। राहुलजितना ज्यादा साहस का प्रदर्शन करते हैं कांग्रेस के सुविधा और सुरक्षापसंद नेताओं का उतना ही डर बढ़ता जाता है। वे पिछले गेट से सरकार औरभाजपा को मैसेज पहुंचाते रहते हैं कि हम राहुल के साथ नहीं हैं। हम अंधमोदी विरोध की राजनीति नहीं करते। इस वाक्य का सीधा मतलब होता है किराहुल अंध मोदी विरोध करते हैं। इतिहास में इसे देखकर एक ही पात्र याद आता है। शल्य। कर्ण का सारथी। जोपूरे युद्ध में कर्ण को हतोत्साहित करता रहा। और अर्जुन की वीरता केगुणगान करता रहा। कर्ण भी थोड़ी शंका में पड़े थे मगर राहुल फिलहाल अभीतक दुविधा में नहीं दिखे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प ) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# विधानसभा में नेताओं ने मचाया हाहाकार और की भ्रष्ट अधिकारी महेश अहिरे को निलंबित करने की मांग

## ...की जाए निष्पक्षता से एसआईटी की जांच, क्या राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे निलंबित करेंगे भ्रष्ट अधिकारी महेश आहिरे को?

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** ठाणे मनपा प्रशासन के भ्रष्ट सहायक आयुक्त महेश आहिरे पर कानून की गाज कभी भी गिर सकती है और हो सकता है इनको जेल की सलाखों के पीछे भी जाना पड़ सकता है अवैध बांधकाम के मसीहा महेश आहिरे की काफी शिकायत मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर से और राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की गई है उनकी भ्रष्टाचारी के कारनामों की खबर का प्रकाशन दैनिक मुंबई हलचल पत्रिका में लगातार किया गया है और उन पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी की गई है और आज विधानसभा में भी हाहाकार मचाकर नेताओं ने भ्रष्ट अधिकारी महेश अहिरे को निलंबित करने की मांग की है और उनके द्वारा किया गया भ्रष्टाचार को लेकर एसआईटी द्वारा निष्पक्ष जांच की जाए इस तरह की मांग की जा रही है विधानसभा में नेताओं द्वारा बताया गया की महेश आहिरे पर अवैध बांधकाम को बढ़ावा देने के और पैसा वसूली के काफी मामले सामने आ रहे हैं और बीते कुछ दिनों पहले विधायक जितेंद्र आव्हाड के परिवार को जान से मारने की साजिश रची जा रही है जिसके ऑडियो क्लिप सोशल

ठाणे महानगरपालिका के सहायक आयुक्त महेश अहिरे

मीडिया पर वायरल किए गए हैं जिसके पुख्ता सबूत विधायक जितेंद्र अवार्ड ने पेश किए हैं और राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को कार्रवाई करने की मांग की है जिस प्रकार भ्रष्ट अधिकारी महेश अहिरे कि एमएमआरडीए घोटाले मामले में काफी संगीन आरोप लग रहे हैं कि फर्जी कागजात फर्जी एलॉटमेंट लेटर के चलते भ्रष्टमहेश आहिरे द्वारा एमएमआरडीए इमारत में घर वितरित किए गए हैं और जिनको घर मिलना चाहिए वह बेचारे आज तक दर-दर भटक रहे हैं नेताओं ने कहा दसवीं पास लिपिक को आखिर उपायुक्त पद पर काफी समय से क्यों रखा गया है जिसकी फर्जी डिग्री सिक्किम की बताई जा रही है आखिर एक अधिकारी को अंगरक्षक रखने की क्या आवश्यकता है जिस अधिकारी की पगार सत्तर हजार रुपए महीना हो और वह डेढ़ लाख रुपए प्रति एक अंगरक्षक को हर महीना कहां से दे रहा है हम लोगों को अंगरक्षक सरकार द्वारा देने में सोचा जाता है लेकिन एक अधिकारी को अंगरक्षक दिए जा रहे हैं कहां से पैसा आ रहा है एसआईटी इसकी गंभीर रूप से जांच की जाए यह अधिकारी लाखों रुपया एक दिन में बांट रहा है क्या वह पैसा इस अधिकारी के पास अवैध बांधकाम के माध्यम से आ रहा है जिसका वीडियो वायरल किया गया था अंडरवर्ल्ड डॉन से संबंध के मामला सामने आए हैं इतने सारे मामला सामने आने पर भी आखिर क्यों कार्रवाई नहीं की जा रही है राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आदेश पर सीआईडी द्वारा इस मामले की जांच की जाएगी दोषी पाए जाने पर महेश अहिरे पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी इस तरह का आश्वासन दिया गया परंतु सवाल ये उठता है कि आखिर पहले निलंबित क्यों नहीं किया जा रहा है कोई भी मामले में अगर अधिकारी पर कोई संगीन आरोप लगता है तो पहले उसे निलंबित किया जाता है और उसके

बाद कार्रवाई की जाती है नेताओं ने ऊंचे स्वर में कहा यह किस तरह का अधिकारी है जो रात के समय टाइट होकर सीएम से बात करता है और सीएम की ओर से आश्वासन दिया जाता है सीएम को इस बात का स्पष्टीकरण देना चाहिए कि हर मामले में अधिकारी महेश अहिरे सीएम के नाम का उपयोग क्यों करता है गौरतलब बात तो यह है जिस तरह का हाहाकार विधानसभा में नेताओं द्वारा भ्रष्ट महेश अहिरे को लेकर मचाया जा रहा है और उनके निलंबित की पुरजोर मांग की जा रही है और साथ-साथ उनकी संपत्ति की उनकी डिग्री की गंभीरतापूर्वक एसआईटी की जांच करने की और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की जा रही है क्या विधानसभा में गूंजा महेश अहिरे का मुद्दा से राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भ्रष्ट महेश आहिरे को निलंबित कर सख्त कार्रवाई करेगी यह देखने वाली बात होगी।

## (पृष्ठ 1 का समाचार)

### महाराष्ट्र में फर्जी छापेमारी

जीएसटी डिपार्टमेंट ने अखबार में विज्ञापन जारी कर इस बर्खास्तगी की घोषणा की। महाराष्ट्र के टैक्स कमिश्नर राजीव मित्तल ने बताया- महाराष्ट्र के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब भ्रष्टाचार के मामले में दोषी अफसरों को हटाने की जानकारी अखबार में विज्ञापन के जरिए दी गई। इसका मकसद जीएसटी डिपार्टमेंट की छवि को साफ रखना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 14 जून 2021 को जीएसटी के तीन इंस्पेक्टर हितेश वसईकर, मछिन्द्र कंगने और प्रकाश शेगर कालबादेवी में बिजनेसमैन लालचंद वानीगोटा के ऑफिस पहुंचे। उन्होंने लालचंद को अपना आई कार्ड दिखाया और कहा- वे जीएसटी डिपार्टमेंट से हैं, जांच करने आए हैं।

### एक्शन में शरद पवार

पिछली बार की तरह इस बार तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी गैरहाजिर नहीं रहने वाली हैं। प्राप्त जानकारियों के मुताबिक वे मीटिंग में शामिल होंगी। कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम को लेकर जो शंकाएं हैं, उन्हें लेकर चर्चा होनी है। पर हम याद दिला दें कि ममता बनर्जी और शरद पवार की सोच का फर्क क्या है? यह फर्क होते हुए भी इस बार मेल की वजह क्या है?

### पटाखा फैक्ट्री में आग

उधर, फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज के डीजीपी आभास कुमार ने बताया कि धमाके से फैक्ट्री की पूरी बिल्डिंग ढह गई। फायर सर्विस की टीम और जिला पुलिस रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है।

### महाराष्ट्र में फिर होगी बेमौसम बारिश

आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक इस हफ्ते राज्य में बारिश की अधिक संभावना है। इसमें मुंबई के साथ पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी में गुरुवार तक हल्की बारिश होने की उम्मीद है, जबकि सिंधुदुर्ग में आज (बुधवार) बारिश की भविष्यवाणी की गई है। वहीं, मौसम विभाग की ओर से धुले, नंदुरबार, सोलापुर, परभणी, हिंगोली, नांदेड़, लातूर, उस्मानाबाद, अमरावती, भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया, नागपुर में शुक्रवार और शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा महाराष्ट्र के नासिक, अकोला, बुलढाणा, वर्धा, वाशिम, यवतमाल में शनिवार को बिजली चमकने के साथ बारिश हो सकती है।

### 50 से ज्यादा छात्रों को काटा मधुमक्खि

धुले जिले में हुई अन्य घटना में मधुमक्खियों ने एक स्कूल के छात्रों और शिक्षकों पर धावा बोल दिया। जिससे दर्जनों शिक्षक और छात्र घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, पालघर के मनोर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां जॉगिंग करने गए एक बुजुर्ग व्यक्ति पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान किरण चंपानेकर (61 वर्ष) के रूप में हुई है।

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट परवेज बी. कुर्नूरकर

आप सभी को सुचित किया जाता है कि अगर आपको किसी प्रकार की कानूनी सलाह की अवश्यकता हो, जैसे पुलिस मैटर, कोर्ट मैटर व अन्य किसी भी प्रकार की कानूनी सलाह के लिए आप हमसे संपर्क कर सकते हैं, हम आपका उचित मार्गदर्शन करेंगे।

Cell : 9769659975
Email: Parvezk9001@rediffmail.com

# मुंब्रा शहर के उलमाओ के समझाने पर एमआईएम ने तोड़ा अनशन

## सैफ ने कहा एक महीने के भीतर महावितरण द्वारा हमारी मांगे पूरी नहीं करने पर दोबारा रमजान बाद फिर से बैठेंगे उलमाओ के साथ अनशन पर

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंब्रा।** आखिरकर 13 मार्च सोमवार से बे मुद्दत अनशन पर बैठी एमआईएम पार्टी ने बुधवार 22 मार्च 2:30 बजे उलमाओ के समझाने पर अपना अनशन जूस पीकर तोड़ दिया है हालांकि जो 9 मांगे एमआईएम पार्टी द्वारा महावितरण के सामने रखी गई थी उसमें से कुछ मांग ही पूरी होती हुई नजर आ रही है और बाकी मांगों के लिए महावितरण अपने उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श कर निर्णय लेकर एक महीने के भीतर बाकी मांगों को पूरा किया जाएगा इस तरह का आश्वासन महावितरण के कार्यकारी अधिकारी अजय द्वारा दिया गया है हालांकि यह आश्वासन लिखित रूप से महावितरण अधिकारी की तरफ से नहीं दिया गया है यह मामले में मुंब्रा शहर के उलेमाओं के हस्तक्षेप के बाद मौलाना साद ने कहां है कि अगर एक महीने के भीतर एमआईएम पार्टी की जो मांगे हैं उसे पूरी नहीं की गई तो मुंब्रा शहर के उलमा बड़े पैमाने पर जनता के साथ मिलकर सड़कों पर नजर आएंगे इस तरह की चेतावनी महावितरण को शहर के उलमाओ

की तरफ से दी गई पहली मांग टोरेंट पावर का करारनामा रद्द किया जाए दूसरा पीडी का बकाया बिल जबरन वसूल नहीं किया जाए तीसरा जबरन मीटर बदली नहीं किए जाए बिना ग्राहकों की सहमति के चौथा टोरेंट द्वारा जो मीटर बदली किए गए हैं उसकी लैब टेस्टिंग रिपोर्ट ग्राहकों को दी जाए पांचवा एमएसईडीसीएल के भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए छटा जो रकम पीडी के नाम पर जबरन वसूल की गई है उसे ग्राहकों को वापस दिया जाए सातवा जिन ग्राहकों के पास बिजली मीटर नहीं है उन्हें जल्द मीटर दिया जाए आठवां बिल देते समय बिल के ऊपर मीटर रीडिंग का फोटो लगाकर ही बिल दिया जाए नोवा डिपॉजिट की जो रकम एमईआरसी द्वारा जो तय की गई है ग्राहकों से वही ली जाए इन तमाम मांगों पर महावितरण के अधिकारी ने कहा इन 9 मांगों में से ज्यादातर मांगे हमारे अधिकार में नहीं है उसके लिए उच्च अधिकारी से विचार करने के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा लेकिन पीडी का बकाया बिल के बारे में जानकारी देते हुए कहा पीडी के बकाया बिल के लिए कैंप लगाए जाएंगे और ग्राहकों का पीडी बिल का सीपीएल निकाला जाएगा और अनुमानित भेजे गए बिल को जांच कर पीडी बिल के मसले का निवारण किया जाएगा और बाकी मांगों के लिए जिसमें बड़ी मांगे हैं जैसे टोरेंट पावर का करारनामा रद्द करना है उसके लिए दो महीने का समय सीमा ली गई है और छोटी मांगों के लिए एक महीने का समय दिया गया है यह जो करारनामा किया गया है वह लिखित रूप से नहीं देते हुए खाली जबानी रूप में दिया गया है जिसे उलमाओ की बात रखते हुए अनशन तोड़ा गया है।

# 106 हस्तियों को पद्म पुरस्कार: पंडवानी गायिका उषा पीएम के सामने घुटनों के बल बैठीं, हिराबाई ने राष्ट्रपति के कंधे पर हाथ रखा

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**नई दिल्ली।** स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को 106 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने पहला सम्मान आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोषी को दिया। उनकी बेटी ने पिता को मिला पद्म विभूषण सम्मान ग्रहण किया। इसके बाद बिजनेसमैन कुमार मंगलम बिड़ला को व्यापार और उद्योग क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। बिड़ला परिवार में पद्म पुरस्कार पाने वाले कुमार मंगलम चौथे व्यक्ति बन गए हैं। इससे पहले उनकी मां राजश्री बिड़ला को पद्म भूषण, दादा बसंत कुमार बिड़ला को पद्म भूषण और उनके परदादा घनश्याम

दास बिड़ला को पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। पंडवानी गायिका उषा को पद्म श्री से नवाजा गया। उन्होंने सम्मान लेने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति के पैर छूकर सम्मान ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव सहित कई लोग मौजूद रहे। पद्म पुरस्कार पाने वाले 106 लोगों में 19 महिलाएं भी हैं। 6 लोगों को पद्म विभूषण, 9 को पद्म भूषण और 91 को पद्मश्री दिया गया है। इन पुरस्कारों के नामों का ऐलान 25 जनवरी को किया गया था।

# पेट्रोल के डिब्बे में गिर गई अगरबत्ती की चिंगारी, पूजा कर रही महिला की जलकर मौत

**अंबिकापुर।** सप्ताहभर पूर्व पूजा करने के दौरान महिला के हाथ से अगरबत्ती की चिंगारी दुकान में रखे पेट्रोल के डिब्बे में गिर गई। इससे पेट्रोल में आग लग गई और पूजा कर रही महिला उसकी चपेट में आ गई। महिला अपनी जान बचाने के लिए दुकान के बाहर पड़े रेत के ढेर में लेट गई और शरीर को रगडकर आग बुझाई। इस दौरान महिला आग से गंभीर रूप से झुलस चुकी थी। आनन-फानन में परिजनों द्वारा उसे अंबिकापुर स्थित होलीक्रॉस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। एक सप्ताह तक चले इलाज के दौरान उसकी हालत में कोई सुधार नहीं

आया और उसकी मौत हो गई। सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोतका निवासी रामपति राजवाड़े पति मोहरलाल राजवाड़े 50 वर्ष का घर व किराना दुकान एक साथ लगा हुआ है। परिवार वालों ने बेचने के लिए दुकान में पेट्रोल भी डिब्बे में भरकर रखते थे। १५ मार्च की सुबह रामपति पूजा कर रही थी। इस दौरान उसके हाथ से अगरबत्ती की चिंगारी दुकान में रखे पेट्रोल के डिब्बे में गिर गई। इससे डिब्बे में आग लग गई, ऐसे में महिला को संभलने का मौका भी नहीं मिला और उसके कपड़े में आग पकड़ लिया। आग की लपटों में खुद को घिरे देख महिला घर के भीतर न जाकर दुकान के बाहर पड़े रेत में लेट गई। यहां उसने शरीर को रेत में रगड़ा तो आग बुझ गई। जब तक आग बुझ पाती, महिला गंभीर रूप से झुलस चुकी थी।

# कर्नाटक में भाजपा को बड़ा झटका

## खरगे को हराने में बड़ी भूमिका निभाने वाले पूर्व बीजेपी एमएलसी कांग्रेस में शामिल

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**कर्नाटक।** कर्नाटक में इसी साल मई तक विधानसभा का चुनाव होना है। चुनाव के लिए सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी सहित मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस, जेडीएस सभी अपनी-अपनी तैयारी में जुटे हैं। इस बीच बुधवार को कांग्रेस ने भाजपा को एक बड़ा झटका दिया है। कर्नाटक में भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे बाबूराव चिंचानसुर ने आज कांग्रेस

की सदस्यता ग्रहण कर ली है। बाबूराव चिंचानसुर पहले भाजपा की ओर से कर्नाटक विधान परिषद के सदस्य थे। उन्होंने कुछ दिनों पहले विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। बाबूराव का इस्तीफा भाजपा के लिए बड़ा झटका इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे को हराने में अहम भूमिका अदा की थी। लेकिन अब बाबूराव कांग्रेस में शामिल हो कर खरगे के हाथ को मजबूत करते दिखेंगे।

### कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बाबूराव की कराई वापसी

बुधवार को बाबूराव चिंचानसुर ने बेंगलुरु में कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बाबूराव चिंचानसुर ने 2008 से 2018 तक कलबुर्गी जिले में गुरमित्कल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। इससे पहले वो सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में मंत्री भी थे। हालांकि विधानसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने 2018 में कांग्रेस छोड़ दी और बीजेपी में शामिल हो गए थे।

### कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को हराने में निभाई बड़ी भूमिका

2018 में मिली हार के बाद भाजपा ज्वाईन करने वाले बाबूराव चिंचानसुर ने 2019 में लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए अपने क्षेत्र में पूरी मेहनत की थी। 2019 के चुनाव में कर्नाटक के कलबुर्गी में उन्हें भाजपा के प्रमुख नेताओं के रूप में गिनती होती थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे की हार के बाद उनकी भूमिका भाजपा में और बढ़ी। लेकिन अब उन्होंने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

### भाजपा ने टिकट देने से किया था मना, कांग्रेस में हुई घरवापसी

बाबूराव चिंचानसुर की मदद से गुलबर्गा (कलबुर्गी) लोकसभा क्षेत्र में मल्लिकार्जुन खरगे को हराते हुए बीजेपी उम्मीदवार उमेश जाधव विजयी हुए थे। जाधव भी पहले कांग्रेस में थे और बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। अबी बाबूराव के भाजपा छोड़ने के पीछे बताया जा रहा है कि वो विधानसभा चुनाव का टिकट मांग रहे थे। लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस में घरवापसी की है।

# पुर में दरारों से हुए नुकसान में शेष रहे 3683 भूखंडों की लॉटरी निकाली जाने की मांग

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान।** भीलवाड़ा जिले के उपनगर पुर में नगर विकास न्यास द्वारा दरारों से पीड़ित पुर वासियों को नया पुर में आवंटित भूखंडों के आवेदन एवं पट्टे जारी करने हेतु पांच दिवसीय कैंप में उपस्थित जिलाधीश आशीष मोदी को राष्ट्रीय मानवाधिकार पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन द्वारा युवा जिला अध्यक्ष मुकेश सोनी के नेतृत्व में ज्ञापन दिया जाकर नगर विकास न्यास द्वारा सर्वे सुदा शेष रहे 3683 मकान वालों को लॉटरी में शामिल कर भूखंड आवंटित किए जाने की मांग कि वह अब तक सर्वे में शामिल नहीं हुए मकानों के नुकसान का सर्वे कर नुकसान के अनुसार लॉटरी में शामिल कर भूखंड आवंटित किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन देते समय प्रदेश सचिव प्रेम शंकरआचार्य, जिला संरक्षक प्रेम कुमार विश्नोई, सत्यनारायण व्यास, जिला उपाध्यक्ष महावीर सेन, सुरेश तिवारी, जिला सचिव भंवर लाल जाट, युवा जिला उपाध्यक्ष सुनील टेलर सहित कई पदाधिकारी वह सदस्य उपस्थित रहे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार राजकुमार गोयल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

# शाहपुरा में विधालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान।** भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में विदाई समारोह कार्यक्रम राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रेगर बस्ती तहनाल गेट शाहपुरा में कक्षा 8 के विदाई समारोह कार्यक्रम में अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ आईटी सेल प्रदेश प्रभारी एवं संयुक्त कर्मचारी महासंघ एकीकृत ब्लॉक अध्यक्ष शाहपुरा भीलवाड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि इस्लाम खा व विशिष्ट अतिथि दुर्गा प्रसाद जोशी की उपस्थिति में प्रधानाध्यापक राजेंद्र प्रसाद डांगी के संचालन में 18 छात्र छात्राओं को विदाई दी गई सभी को अच्छे परिणाम लाने के लिए अतिथियों द्वारा प्रेरित किया गया।

# भाजपा ने राहुल को बताया मीर जाफर, देश की जनता से मांगें माफी

**नई दिल्ली / संवाददाता**

भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी को मीर जाफर की संज्ञा दी है। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को राहुल गांधी को नए जमाने का मीर जाफर बताते हुए कहा कि राहुल गांधी ब्रिटेन में दिए अपने बयान पर माफी मांगे बिना निकल नहीं सकते। पात्रा ने दावा किया कि वे राहुल गांधी से माफी मंगवा कर ही रहेंगे।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दिल्ली के पार्टी मुख्यालय में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को कहा कि विदेश की भूमि पर जाकर मीर जाफर का काम करने वाले शहजादे को हम भाजपा के रूप में नहीं बल्कि इस देश की जनता के रूप में ये आदेश देते हैं कि आपको माफी मांगनी ही पड़ेगी, शहजादे, आपने देश का अपमान किया है।

संबित पात्रा ने कहा कि विदेश में जाकर देश के खिलाफ बोलना उनके लिए बहुत साधारण बात है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मीर जाफर ने नवाब बनने के लिए अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी से मदद मांगी थी, वैसा ही काम राहुल गांधी ने किया है। पात्रा ने कहा कि शहजादा नवाब बनना चाहता है और शहजादे ने नवाब बनने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी की मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को नए दौर का मीर जाफर कहने में कोई हर्ज नहीं है।

### रणवीर का ब्रांड मूल्य 18.17 करोड़ डॉलर

# रणवीर सर्वाधिक मूल्यवान ब्रांड, कोहली को पीछे छोड़ा

**मुंबई।** दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली को लंबे समय तक खराब फॉर्म से गुजरने का नुकसान अपने ब्रांड मूल्य में आई गिरावट के रूप में चुकाना पड़ा है। वर्ष 2022 में कोहली का ब्रांड मूल्य और भी घटकर 17.79 करोड़ डॉलर रह गया। फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह 2022 में सबसे मूल्यवान भारतीय हस्ती बनकर उभरे हैं। पिछले साल रणवीर का कुल ब्रांड मूल्य 18.17 करोड़ डॉलर आंका गया। सलाहकार फर्म क्रॉल की तरफ से जारी एक रिपोर्ट में कोहली के ब्रांड मूल्य में आई गिरावट का जिक्र किया गया है।

### टॉप 25 में नीरज चोपड़ा

ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा 2.65 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ शीर्ष 25 हस्तियों में शुमार हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु भी उनके करीब ही हैं। पूर्व क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सक्रिय खेल से संन्यास लेने के कई साल बाद भी 8.03 करोड़ डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ छठे स्थान पर मौजूद हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर 7.36 करोड़ डॉलर मूल्य के साथ सूची में आठवें स्थान पर रहे।

### पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की 'मान सरकार' को फटकार

# खुफिया तंत्र पूरी तरह रहा नाकाम क्या कर रही थी 80 हजार पुलिस

**नई दिल्ली / संवाददाता**

### 'वारिस पंजाब दे' के कानूनी सलाहकार ने दायर की याचिका, 4 दिन बाद होगी सुनवाई

ऑपरेशन अमृतपाल सिंह मामले में पंजाब और हरियाणा हाईकर्ट ने मंगलवार को पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा कि पंजाब सरकार के पास इतना भारी पुलिस बल था। इसके बावजूद अमृतपाल को पकड़ने में पुलिस नाकाम रही है। यह पंजाब पुलिस की खुफिया नाकामी है। पुलिस के 80 हजार जवान क्या कर रहे थे? पुलिस का खुफिया तंत्र पूरी तरह से फेल रहा है। फटकार के बाद पंजाब सरकार ने बताया कि अमृतपाल के ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून एनएसए) लगा दिया गया है। अब इस मामले में 4 दिन बाद सुनवाई होगी। कोर्ट ने पंजाब सरकार से मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल को अवैध हिरासत में रखने का आरोप लगा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। बठिंडा निवासी इमरान सिंह ने हाईकोर्ट में यह याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बताया था कि याचिकाकर्ता 'वारिस पंजाब दे' संगठन के कानूनी सलाहकार हैं। दूसरी ओर, अमृतपाल की पत्नी के खातों की जांच- पड़ताल की जा रही है।

### हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकारा

याचिकाकर्ता ने कहा कि अमृतपाल सिंह को अवैध हिरासत में लिया गया है और इसका कारण तक स्पष्ट नहीं किया गया है। अमृतपाल के परिजनों तक को इस संदर्भ में जानकारी नहीं दी जा रही है, जो उसकी जान को बड़ा खतरा है। याचिकाकर्ता ने सुरक्षित अवैध हिरासत से छुड़ाने का निर्देश जारी करने की हाईकोर्ट से अपील की थी। साथ ही वारंट ऑफिसर नियुक्त करने का पंजाब सरकार को निर्देश जारी करने की अपील भी की गई थी। अब इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई है।

### केजरीवाल ने तोड़ी चुप्पी, मान की तारीफ

पंजाब पुलिस अगोड़े अमृतपाल की तलाश में जुटी है। इसी बीच उसके ड्राइवर और चाचा ने जालंधर पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। पंजाब पुलिस ने अब तक अमृतपाल सिंह के कुल 112 करीबियों को गिरफ्तार किया है। इसी मामले पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कान्फ्रेंस कर कहा है कि पंजाब में आप सख्त से सख्त कदम उठाने को तैयार है। वहीं, उन्होंने पंजाब में भगवंत मान सरकार की तारीफ की है।

### खालिस्तान समर्थक अमृतपाल पर लगा एनएसए

पंजाब सरकार ने मंगलवार को हाईकोर्ट में बताया कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ सख्त नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) लागू किया गया है. 'वारिस पंजाब दे' के मुखिया और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल अभी भी पुलिस की गिरफ्त बाहर है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि अमृतपाल जब देश की सुरक्षा के लिए खतरा था, तो अब तक सरकार क्या कर रही थी? वे हथियारों के साथ घूम रहे थे, इतनी पुलिस के बावजूद वह फरार होने में कैसे कामयाब हुआ? 80000 पुलिस क्या कर रही है, जब देश की सुरक्षा खतरे में है। इस पर सरकार की तरफ से जवाब दिया गया कि सरकार कई पहलुओं को देख कर कार्रवाई कर रही है।

### ब्रेजा कार, फिर बाइक से भागता दिखा अमृतपाल ! मुख्यद्वारे में बदले थे कपड़े

जांच अभियान के दौरान पुलिस के हाथ वो गाड़ी लगी है जिससे अमृतपाल सिंह फरार हुआ था। साथ ही, कुछ वीडियो फुटेज भी पुलिस को मिले हैं। जिसमें अमृतपाल से पुलिस को चकमा देने के लिए एक के बाद एक कार बदलते और फरार होते दिख रहा है।पंजाब पुलिस ने जब अमृतपाल सिंह का पीछा करना शुरू किया था तब वो मर्सिडीज से फरार हुआ था। लेकिन, वीडियो फुटेज में उसे बेजा कार में देखा जा रहा है। इसके बाद आखिरी बार उसे बुलेट पर सवार होकर फरार होते देखा जा रहा है। इतना ही नहीं, बताया जा रहा है कि इस दौरान उसने नंगल के गुरुद्वारे में कपड़े भी बदले थे।

दैनिक मुंबई हलचल

## जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सोच व कर्म की आवश्कता हैं: अतुल सहगल

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान।** केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में अथर्ववेद के प्रथम सूक्त वाचस्पति पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 520 वाँ वेबिनार था। वैदिक विद्वान अतुल सहगल ने अथर्ववेद में विज्ञान की चर्चा की और यह कहा कि विज्ञान हर वस्तु और क्रिया का व्यवस्थित ज्ञान है, पूर्ण ज्ञान है और शुद्ध ज्ञान है और इस विज्ञान के स्रोत वेद ही हैं। मानव जीवन को श्रेष्ठ ढंग से जीने के लिए वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विज्ञान सम्मत कर्म करने की आवश्यकता है। यह मन्त्र विज्ञान प्रधान ग्रन्थ अथर्ववेद की खिड़की के समान उस ग्रन्थ के मुख्य विषय की झलक देता है। मन्त्र का भावार्थ प्रस्तुत करते हुए मानव शरीर के 21 जड़.तत्वों की विवेचना की और कहा कि इस मन्त्र में अनेक प्रार्थनायें समाहित हैं।वे सब ईश्वर से इन 21 तत्वों का ज्ञान व बल की कामना करती हैं।यदि हमारी इन्द्रियां पूर्ण बल से कार्य करेंगी व ज्ञान के आधार पर ठीक दिशा में कार्यरत होंगी तो हमारी उन्नति होगी।यह तभी होगा जब मन और बुद्धि सही प्रकार से कार्य करें व मन

पर बुद्धि की पूरी पकड़ हो और बुद्धि सत्यज्ञान को ग्रहण करती हुई अपना कार्य करे।ऐसा होने से हम अपने दैनिक जीवन में पापकर्म से बचे रहेंगे। हम परोपकार व प्राणी हित की भावना से भरे रहेंगे व अपनी शक्ति, बल और सामर्थ्य का पूरा उपयोग करते हुए पूरा दिन पुण्य, पुनीत और सृजनात्मक कर्म करेंगे। वक्ता ने अन्तःकरण के सूक्ष्म तत्वों मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार की चर्चा की और बताया कि किस प्रकार सृष्टि निर्माण की प्रक्रिया में यह उत्पन्न हुए। प्रकृति के तीन गुणों की भी यथोचित विवेचना की और समझाया कि किस प्रकार इनके सही सम्मिश्रण से जीवन व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलता है व मनुष्य उन्नति करता है। इस मन्त्र का वैज्ञानिक, अध्यात्मिक और व्यवहारिक रूप प्रस्तुत किया।इन तथ्यों की जानकारी के बाद मनुष्य इस महत्वपूर्ण मंत्र की शक्ति से परिचित हो, इससे लाभ उठाना प्रारम्भ कर देता है।अथर्ववेद विज्ञान का वेद है।यह ग्रन्थ पदार्थ और अध्यात्म विज्ञान का ग्रन्थ है और इसका यह मन्त्र विज्ञान द्वारा शारीरिक और आत्मिक उन्नति की प्रार्थना करता है। इस मन्त्र द्वारा प्रार्थना कर्त्ता मनुष्य को दयालु व कल्याणकारी ईश्वर उचित फल दे के उसका उद्धार करता है। मुख्य अतिथि विद्या सागर वर्मा (पूर्व राजदूत कजाखस्तान) व अध्यक्ष डॉ. सुषमा आर्य ने भी विषय की संपुष्टि की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा, कृष्णा पाहुजा, कुसुम भंडारी आदि के भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

# योगिता आनंदपाल सांवराद ने ऑल इंडिया लॉ में टॉप करने पर रावणा राजपूत समाज बंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त की

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान।** राजस्थान में रावणा राजपूत की शान रहे स्वर्गीय आनंदपाल सांवराद की पुत्री योगिता आनंदपाल सांवराद ने ऑल इंडिया लॉ में टॉप करने पर रावणा राजपूत समाज के विभिन्न लोगों ने खुशी जताई

तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि योगिता आनंदपाल सांवराद ने ऑल इंडिया लॉ में 1st रैंक के अंदर टॉप किया है। बधाई देने वालों में पत्रकार एकता संघ के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़, अपघात सेवा समिति के अध्यक्ष हरिकिशन सिंह कानावत, मान सिंह राठौड़ (करेड़ा), सर्व रावणा राजपूत सेवा संस्थान के अध्यक्ष रतन सिंह राणावत, सुरेन्द्र सिंह पंवार (भीलवाड़ा), एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ (भीलवाड़ा), शिवदानसिंह भाटी (जोधपुर), आशा कंवर जोधा (जोधपुर), नरेन्द्र सिंह किशनावत (भीलवाड़ा) आदि ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

# नागौरी लोहार समाज के डॉक्टर एवं अधिवक्ता का हुआ सम्मान समारोह

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**बीकानेर।** बीकानेर में पंडित धर्म कांटा के पास मारवाड़ स्टील सभागार में एम एच स्टील गुरुप कि जानिब से एक सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें बीकानेर नागौरी लोहार समाज की शान डॉ मोहम्मद इश्तियाक साहब जोधपुर से बीकानेर वेटरनरी में नियुक्त हुए डॉ अम्मार खान नागौरी बीकानेर नागौरी लोहार समाज के युवा अधिवक्ता कचहरी परिसर मैं कार्यरत एडवोकेट रियाज चौहान नागौरी लोहार समाज की तीनों शख्सियतों का माला साफा पहनाकर सम्मान समारोह आयोजित हुआ इस प्रोग्राम के मुख्य वक्ता मुफ्ती सद्दाम साहब मुख्य अतिथि भारत सरकार पुरातत्व विभाग के पूर्व मेंबर साजिद सुलेमानी विशिष्ट अतिथि बीकानेर नागौरी लोहार समाज के ऊजार्वान कांग्रेस नेता अकरम नागोरी इस प्रोग्राम की अध्यक्षता प्रोग्राम आयोजक युवा उद्यमी एम एच स्टील के एम डी माहिन हसन ने की मंच संचालन जाकिर हुसैन नागौरी ने किया। इस आयोजन में एडवोकेट मोहम्मद असलम, यकिनुदिन डग्गा, मुमताज बानो, पार्षद असलम, एडवोकेट सकीना खान, युवा नेता अकरम अली, एडवोकेट शमशाद अली, अलीमुद्दीन जामी,असलम रंगरेज, एडवोकेट अशरफ अली उस्ता, नजरुल इस्लाम, अली राजा, मेहताब दमामी,एम एच पप्पू, सोनू पठान, हाजी मोहम्मद अली, युसूफ नागोरी, हाजी सरफुद्दीन, मुस्तकीम कलाकार, शहीद नेता, मोहम्मद शरीफ, मोहम्मद आरिफ, महबूब दाऊदी, मोहम्मद इमरान, वाहिद कुमारी, नासिर नागौरी, अब्दुल रहमान, मोहम्मद साबिर, आबिद अली, मोहम्मद शाहिद, नासिर हुसैन, राजा,तथा बीकानेर शहर की अजीम शख्सियत उपस्थित हुई।

# देवगढ़ में सूफी मेहताब अली के आस्ताने पर जुलूस निकाल चढ़ाई चादर, मांगी देश मे खुशहाली की दुआं

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**देवगढ़।** देवगढ़ के मेला मैदान में स्थित दरगाह हजरत सय्यद सूफी मेहताब अली शाह का 172वां दो दिवसीय उर्स दरगाह कमेटी देवगढ़ के तत्वावधान में मंगलवार को शुरू हुआ जिसमें जायरीनों द्वारा जुलूस निकाल आस्ताने पर चादर चढ़ाकर देश में खुशहाली की दुआएं मांगी। उर्स का आगाज कुरआन ख्वानी से हुआ जिसमे मौलाना ईरशाद रजा अजहरी, मौलाना खुर्शीद अहमद हाशमी एवं मदरसे के बच्चों ने भाग लिया एवं कुरआन की तिलावत की। मंगलवार शाम को बेंड बाजे के साथ चादर शरीफ का जुलूस सिपाहियों के मोहल्ले से शुरू हुआ जो विभिन्न

मार्गों से होता हुआ दरगाह परिसर पहुंचा। जहां पर जायरीनो ने आस्ताने पर अकीदत के साथ चादर, अगरबत्ती, लोबान, फूल एवं ईत्र पेश कर मौलाना एवं जायरीनो ने देश मे अमन एवं खुशहाली की दुआएं मांगी। उसके बाद उर्स में शरीक होने वाले सभी जायरीनो के लिए लंगर का इंतजाम किया गया जिसमे सभी ने शिरकत की। इसके बाद रात्रि में महफिल का आयोजन किया गया। इस दौरान आम मुस्लिम समाज के सदर मोहम्मद ताहीर, दरगाह कमेटी सदर रशीद मोहम्मद शोरगर, खादिम अन्ना बाबा, रशीद मोहम्मद शेख, पार्षद बबलू खान, रियाज शेख, इकबाल मोहम्मद शेख, जाफर खान फौजदार, हाजी सरदार मोहम्मद, रफीक शैख, जमील मोहम्मद, फारुख शेख, ईमरान शेख, हबीब शैख, आरिफ छिपा, इरशाद शेख, जाकिर मोहम्मद, हनीफ डायर, शकील शेख, अल्जावेद छिपा, जाबीर शेख, युसूफ शेख, अनीश शेख, जुनेद खान, रेहान शेख, मोहम्मद कैफ, हमीदुदीन सहित कई जायरीन मौजूद थे।

# कानपुर में नवरात्र का पहला दिनः देवी मंदिरों में उमड़े माता के भक्त

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**कानपुर।** बुधवार से नवरात्र शुरू होने के पहले दिन भक्तों ने घरों में कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की आराधना पूजा और बंदना की। साथ ही घरों में महिलाओं ने विधि-विधान से दुर्गा चालिसा का पाठ कर मां से परिवार के कष्ट हरने की गुहार लगाई। इस बीच शहर के लगभग सभी देवी मंदिरों में दर्शन व पूजन को लेकर भक्तों की कतारें लगी रहीं। यही नहीं घरों में भी भक्तों ने नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की स्तुति करते हुए भजन गाए। घरों में महिलाओं ने विधि-विधान से दुर्गा चालिसा का पाठ कर मां से परिवार के कष्ट हरने की प्रार्थना की। यहां बुधवार को सुबह से ही माता के मंदिरों के बाहर भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठे। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के मां शेरावाली के मंदिरों में भक्तों की कतार दर्शन को लगी रही। यहां बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तगणों ने पहले दिन मां शैलपुत्री को नारियल, चुनरी, फूल-

माला, श्रृंगार का सामान व प्रसाद चढ़ाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि व उन्नति का आशीर्वाद लिया। इस बीच शहर के बिरहाना रोड के पटकापुर में तपेश्वरी देवी मंदिर, दक्षिण में बारादेवी मंदिर, शास्त्रीनगर स्थित काली मठिया, गोविन्दनगर के दुर्गा मंदिर, दामोदरनगर स्थित वैष्णोदवी मंदिर, किदवईनगर के जंगलीदेवी मंदिर, नवाबगंज के मां उजियारी देवी मंदिर, बुद्धादेवी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में दर्शन व पूजन को लेकर भक्तों का तांता लगा रहा। नवरात्र में पहला दिन मां शैलपुत्री का होता है। ऐसे में बिरहानारोड के पटकापुर का तपेश्वरी मंदिर मां शैलपुत्री का ही मंदिर है। ऐसे में पहले दिन यहां पर भक्तों की भारी भीड़ दर्शन व पूजन को उमड़ी। भक्तों ने अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए अखंड ज्योति भी जलाई। भक्तों ने बड़ी संख्या में मंदिर के पुजारी को ज्योति जलाने के लिए देशी धी भी दान किया, ताकि मां की अखंड ज्योति पूरे नवरात्र भर रोशन रहे। मंदिरों में माता के पूजन अर्जन का यह सिलसिला आज समाचार लिखे जाने तक जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# सीओपीडी समय रहते हो जाएं सावधान

*सर्दियों के मौसम में सी.ओ.पी. डी. के मामले काफी बढ़ जाते हैं और जो लोग पहले से ही इस मर्ज से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सी.ओ.पी.डी.) फेफड़े की एक गंभीर बीमारी है, जिसे आम भाषा में क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस भी कहते हैं। सर्दियों के मौसम में सी.ओ.पी. डी. के मामले काफी बढ़ जाते हैं और जो लोग पहले से ही इस मर्ज से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। ओपीडी प्रमुख रूप से धूम्रपान बीड़ी, सिगरेट, हुक्का और चिलम पीने वालों को होता है। इसके अतिरिक्त ऐसे लोग जो धूल, धुआं और प्रदूषित वातावरण के प्रभाव में रहते हैं, उन्हें भी इस बीमारी के होने का खतरा होता है। प्रायः यह बीमारी 30 से 40 वर्ष की आयु के बाद शुरू होती है। इस बीमारी का प्रकोप सर्दी के मौसम में बढ़ जाता है।*

**मर्ज का दूसरा प्रकारः** सी.ओ.पी.डी. को अक्सर धूम्रपान करने वालों से संबंधित रोग माना जाता है। यह बात अपनी जगह सत्य भी है, लेकिन अब नॉन स्मोकिंग सी.ओ.पी.डी. (धूम्रपान के अलावा अन्य कारणों से होने वाला यह मर्ज) विकासशील देशों में एक बड़ा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा बन चुका है। हाल के अध्ययनों मे पता चला है कि ऐसे अनेक जोखिम भरे कारक हैं, जो धूम्रपान नहीं करने वाले लोगों में भी इस रोग के होने का जोखिम बढ़ाते हैं। दुनिया भर की तकरीबन आधी जनसंख्या जैव ईंधन (बॉयोमास फ्यूल) के धुएं के संपर्क में रहती है, जिसका उपयोग खाना बनाने के लिए किया जाता है।

इसलिए, ग्रामीण इलाकों में जैव ईंधन से उत्पन्न धुएं और प्रदूषण के संपर्क में आना भी सी.ओ.पी.डी. का मुख्य कारण है।

**जैव ईंधन का दुष्प्रभावः** देश के शहरी भागों के 32 प्रतिशत घरों में अब भी जैव इंधन से चलने वाले चूल्हे का उपयोग होता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या खाना बनाने के लिए जैव ईंधन जैसे लकड़ी, कंडे या उपले, अंगीठी और केरोसीन ऑयल का प्रयोग करती है।

विकासशील देशों में सी.ओ.पी.डी. से होने वाली करीब 50 प्रतिशत मौतें जैव ईंधन के धुएं के कारण होती है। इस पचास प्रतिशत मौतों में भी 75 प्रतिशत मौतें महिलाओं की होती हैं। जैव या बायोमास ईंधन-जैसे लकड़ी ,पशुओं का गोबर, फसल के अवशेष आदि सी.ओ.पी.डी. की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं और लड़कियां रसोईघर में अधिक समय बिताती हैं।

**वायु प्रदूषण और बीमारीः** वायु प्रदूषण की मौजूदा स्थिति ने भी शहरी इलाकों में सी.ओ.पी.डी. के खतरे को बढ़ा दिया है। वायु प्रदूषण की दृष्टि से दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित 20 शहरों में से 10 भारत में हैं।

## उपचार

सी.ओ.पी.डी. के उपचार में इन्हेलर चिकित्सा सर्वश्रेष्ठ है, जिसे डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमानुसार लिया जाना चाहिए। सर्दियों में दिक्कत बढ़ जाती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह से दवा की डोज में परिवर्तन किया जा सकता है। खांसी और अन्य लक्षणों के होने पर डॉक्टर की सलाह के अनुसार संबंधित दवाएं ली जा सकती हैं। खांसी के साथ गाढ़ा या पीला बलगम आने पर डॉक्टर की सलाह से एंटीबॉयोटिक्स ली जा सकती हैं।

## क्या करें

- *सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कानों को खासतौर पर ढकें।*
- *सर्दी के कारण साबुन पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें। यह आदत आपको जुकाम और फ्लू की बीमारी से बचाकर रखती है।*
- *गुनगुने पानी से नहाएं।*
- *नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें और उनकी सलाह से अपने इन्हेलर की डोज भी सुनिश्चित करा लें।*
- *कई बार इन्हेलर की मात्रा बढ़ानी होती है और आमतौर पर ली जाने वाली नियमित खुराक से ज्यादा मात्रा में खुराक लेनी पड़ती है।*
- *धूप निकलने पर धूप अवश्य लें। शरीर की मालिश करने पर रक्त संचार ठीक होता है।*
- *सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू व सांस के रोगियों को सुबह-शाम भाप (स्टीम) लेना चाहिए। यह गले व सांस की नलियों (ब्रॉन्काई) के लिए फायदेमंद है।*
- *डॉक्टर की सलाह से वैक्सीन का प्रयोग जाड़े केमौसम में सक्रिय हानिकारक जीवाणुओं से सुरक्षा प्रदान करता है।*
- *हाथ मिलाने से बचें। नमस्ते करना ज्यादा स्वास्थ्यकर अभिवादन है। इससे आप फ्लू समेत स्पर्श से होने वाले कई संक्रमणों से बच सकते हैं।*

## प्रेग्नेंसी से बचने के लिए इन खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करती थीं महिलाएं

बर्थ-कंट्रोल के लिए आजकल की महिलाएं दवाइयों का सहारा लेती हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि पुराने जमाने में बच्चे की चाहत नहीं रखने वाली महिलाएं क्या उपाय करती थीं। जी हां आज हम आपको इसके बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर यकीनन आपके होश उड़ जाएंगे। आइए जानते हैं पुराने जमाने में महिलाएं बर्थ-कंट्रोल के लिए कैसे- कैसे

पैंतरों का इस्तेमाल करती थीं। इस कड़ी में सबसे पहले स्थान पर है मगरमच्छ का मल। 1850 बीसी के मिस्त्र के कई दस्तावेज बताते हैं महिला योनि में शुक्राणुओं का प्रवेश रोकने के लिए योनि को मगरमच्छ के मल, हनी और सोडियम बाइकारबोनेट के कड़े घोल को भर दिया जाता था। मान्यता था कि इसमें शुक्राणुओं को के अंदर जाने और उसे बढ़ने से रोकने की ताकत है। मध्यकाल में कुछ ऐसी मान्यता थी कि अगर महिला की जांघों पर वीजल नाम के जानवर का अंडाशय और एक हड्डी बांध दी जाए तो महिला गर्भवती नहीं होगी। गर्भधारण रोकने के लिए सबसे खतरनाक उपायों में शामिल है लेड और मरकरी से बना घोल जिसे महिलाओं को पिलाया जाता था। इस घोल को चीन में इस्तेमाल किया गया।

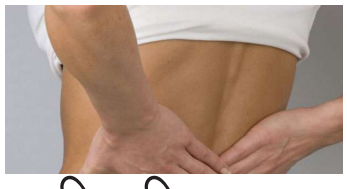

## सियाटिका का सटीक इलाज

*डिस्ट्रैक्शन लैमिनोप्लास्टी नामक सर्जिकल तकनीक के प्रचलन में आने से अब सियाटिका से पीड़ित लोगों का इलाज अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर हो चुका है...*

इस सर्जिकल तकनीक में रीढ़ की हड्डी के ऊपर 2 से 3 सेमी.का चीरा लगाकर विशेष उपकरणों द्वारा कोई हड्डी काटे बगैर नस पर दबाव पूरी तरह से हटा देते हैं। नस खुलने के बाद समस्या पूरी तरह से ठीक हो जाती है। इस तकनीक से नस की सूजन, तनाव और दबाव पूरी तरह से ठीक हो जाता है और मरीज को पूर्ण रूप से आराम मिल जाता है। सर्जरी पूरी तरह सुरक्षित और सफल है। दो दिन में मरीज घर चला जाता है। मरीज को रक्त नहीं चढ़ाना पड़ता है। मरीज को तुरंत आराम मिल जाता है और हफ्ते भर में वह काम पर भी लौट सकता है।

# एडल्ट फिल्में

## देखने की आदत से हैं परेशान तो करें ये उपाय

कुछ लोगों को बुरी चीजो की आदत होती है। यह जरूरी नहीं कि बुरी चीजों की लत कोई नशा करना या जुआ खेलना ही हो। हम जिस बुरी लत की बात कर रहे हैं वो है एडल्ट फिल्में ज्यादा देखना। इस बात को जानकर आपको हैरानी होगी की इस बुरी आदत का असर शादीशुदी जिंदगी पर भी पड़ सकता है। अगर आप इस बुरी लत से परेशान है और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो कुछ असरदार उपाय अपनाकर इस लत से छुटकारा पा सकते हैं।

### 1. खुद को करें पक्का

आपको इस लत को छोड़ने के लिए खुद को करें पक्का करें। यह बात बिल्कुल सही है कि एक दम ही किसी आदत को छोड़ा नहीं जी सकता। इसके लिए पहले तो रोज-रोज एडल्ट फिल्में देखने की बजाए महीने में 2-3 बार ही देखने का प्रयास करें। आपने आप को पत्नी और बच्चों के साथ बिजी रखें।

### 2. एकांत से बचे

आपको अगर अकेले बैठने की आदत है तो इससे आपकी परेशानी और भी बढ़ सकती है। अकेले समय बिताने से अच्छा है अपने परिवार के साथ समय बिताए और बीवी से हर बात शेयर करें।

### 3. शादीशुदी जिंदगी के ले मजा

शादीशुदी हैं तो सबसे जरूरी है कि लाइफपार्टनर के साथ समय बिताएं। वैवाहिक जिंदगी का आनंद लेने के लिए इस बुरी लत को हमेशा के लिए बॉय-बॉय कहें। इस समय एक दूसरे के साथ खुलकर बात करें और जिंदगी के मजा लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# 'बुरे सपना जैसा था सलमान खान का जिंदगी में आना'

**सलमान खान** और ऐश्वर्या राय एक समय पर रिलेशनशिप में थे। उनकी ब्रेकअप की कहानी भी किसी से छिपी नहीं है। खबरों के मुताबिक, सलमान के साथ ब्रेकअप के बाद ऐश्वर्या ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। ऐश्वर्या का कहना था कि सलमान ने उनका मानसिक और शारीरिक शोषण किया है। उन्होंने कहा था, मेरे परिवार और खुद के स्वाभिमान को देखते हुए ये बहुत हो गया...मैं आने वाले समय में कभी मिस्टर सलमान खान के साथ काम नहीं करूंगी। सलमान का चैप्टर मेरी लाइफ में बुरे सपने जैसा था, और मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि ये सब खत्म हो गया। ऐश्वर्या ने ये भी कहा कि वो सलमान की हर बुरी आदतों में उनको माफ किया करती थीं। उन्होंने कहा, सलमान की शराब की लत, फिजिकल अब्यूज और बेइज्जती से तंग आ गई थीं। इसके बावजूद मैं उनके साथ खड़ी रहीं। बदले में मुझे दुख और पीड़ा ही मिली। इस मामले में मेरी चुप्पी को गलत तरीके से लिया गया। मेरे कैरेक्टर के बारे में उल्टा सीधा बोला गया। यहां तक कि मेरे को-स्टार्स के साथ मेरे रिश्तों को भी खराब करने की कोशिश की गई। सलमान की वजह से ऐश्वर्या को शाहरुख की फिल्म 'चलते चलते' से निकाल दिया गया था और उनकी जगह पर रानी मुखर्जी को कास्ट किया गया।

# टॉलीवुड डेब्यू

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन रवि तेजा की फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' के साथ पैन इंडिया डेब्यू करने जा रही हैं। ये तेलुगु इंडस्ट्री में भी उनकी पहली फिल्म होगी। नुपूर सेनन ने रवि तेजा की तारीफ की। बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए नुपूर बोलीं- अब तक जिन भी लोगों से मैं मिली हूं, रवि उनमें से सबसे ज्यादा विनम्र हैं। मैं जब भी सेट पर जाती हूं, मुझे वो दुनिया देखकर बहुत अच्छा लगता है जो रवि ने सेट पर क्रिएट की है। ये बहुत ही बढ़िया है। जब आप फिल्म देखेंगे तो समझ जाएंगे। रवि तेजा की हिंदी बढ़िया है।नूपुर ने कहा- रवि कई बॉलीवुड एक्टर्स से भी बेहतर हिंदी बोल लेते हैं। वो मेरी काफी मदद करते हैं। रवि बिलकुल डाउन टू एअर्थ रहते हैं। मेरे पास तेलुगु में डायलॉग आते थे। जितना हो सका उन्होंने मेरे लिए इसे इतना आसान बनाया। मैं तो ये कहूंगी कि दुनिया में सेल्फिश एक्टर्स की कोई कमी नहीं है लेकिन, रवि एक एक्सेप्शन हैं। उन्होंने मेरे लिए इस फिल्म को काफी आसान कर दिया। 'टाइगर नागेश्वर राव' एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। ये 1970 में सेट एक्शन थ्रिलर है।

# बजरंगी भाईजान के डायरेक्टर बोले- 'पठान' हमारा जवाब

**राजस्थान** आईटी फेस्ट में बॉलीवुड और सोशल मीडिया से जुड़े स्टार्स पहुंच रहे हैं। मंगलवार को आए बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर कबीर खान ने भी अपनी फिल्मों के साथ बदलते बॉलीवुड के माहौल पर चर्चा की। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित 'एक था टाइगर' सेशन में कबीर ने बॉलीवुड बॉयकॉट और पठान कंट्रोवर्सी पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक फिल्म ऐसी बनाई थी कि उन्हें तालिबान से धमकी मिलती थी। शूटिंग रोकने के लिए भी बोल दिया गया था। कबीर खान ने सेशन की शुरूआत पठान फिल्म पर चर्चा से की। उन्होंने कहा- पठान फिल्म बायकॉट ट्रेंड पर हमारी इंडस्ट्री का जवाब है। पठान ने 1300-1400 करोड़ कमाए हैं। यह जवाब सभी के लिए काफी है। वैसे मैं एक बात सही कह सकता हूं कि कंट्रोवर्सी न तो फिल्म को हिट करती है न ही फ्लॉप कर सकती है। यह सब ऑडियंस पर ही डिपेंड करता है, उन्हें पसंद आई तो चलेगी। नहीं तो कुछ भी कर लो वह चलेगी नहीं। कबीर खान ने कहा- इससे मिलने वाले अनुभव से मूवी के लिए भी नए आइडिया मिलते हैं। फिल्म बजरंगी भाईजान के लिए चांद नवाब का आइडिया उन्हें यूट्यूब पर एक वीडियो देखकर आया था। इस मूवी को बनाने की वजह एक छोटी बच्ची थी। इसकी खबर उन्होंने पढ़ी जो अपने इलाज के लिए दिल्ली आई थी। फिल्म का प्लॉट वहीं से लिया गया। सलमान खान के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस को लेकर उन्होंने कहा- सलमान के साथ अब तक तीन मूवी की। जब हमने पहली मूवी साथ की थी उस समय कुछ बहस होती थी, लेकिन वह फिल्म की बेहतरी के लिए ही थे। यही वजह थी कि हमने एक साथ तीन फिल्में की। फिल्म ट्यूबलाइट के नहीं चलने को लेकर कबीर खान ने कहा- कभी कभी ऐसा होता है कि हम जो बनाना चाहते हैं। वह नहीं बन पाता। मेरी दूसरी फिल्मों की तुलना में यह फिल्म नहीं चल पाई। बतौर एक्टर सलमान का एक नया रूप इसमें देखने को मिला है। सलमान चाहते थे कि वह अपने अंदाज के अलग किरदार निभाएं।